

What is Exchange Offer in Hindi | एक्सचेंज ऑफर और 0% EMI क्या होता है?

 continuegyan.com/what-is-exchange-offer-in-hindi

आज के पोस्ट में आपको एक्सचेंज ऑफर क्या होता है और 0%EMI के बारे में बताने वाला हूँ जिससे आपके सभी Confusions दूर हो जायेंगे। काफी सारे लोग एक्सचेंज ऑफर और EMI को लेकर Confusion में रहते हैं कि ये क्या है और कैसे काम करता है, इसका फायदा कैसे उठाया जा सकता है। तो चलिए जान लेते हैं...



EMI क्या होता है?

EMI का Full Form होता है Equated Monthly Installments, इसे लोग Easy Monthly Installments भी कहते हैं, इसका मतलब होता है किसी रकम को थोड़े-थोड़े किश्तों में चुकाना। किसी प्रोडक्ट को EMI पर खरीदने का मतलब ये होता है कि बैंक उस प्रोडक्ट का पूरा Amount कंपनी को Pay कर देता है और फिर आपको किश्तों में वो राशि बैंक को देना होता है।

EMI दो तरह की होती है एक होता है **No-Cost EMI** और दूसरा होता है **Interest EMI**. नो-कॉस्ट EMI का मतलब होता है कि उसमें आपसे कोई प्रोसेसिंग फीस या कोई इंटरेस्ट चार्ज नहीं किया जाता है। जितने का वो प्रोडक्ट होता है उतने ही पैसे आपको किश्तों में देना होता है।

उदाहरण के लिए आपने कोई 20,000 रुपये का मोबाइल फोन नो-कॉस्ट EMI पर खरीदते हैं तो आपको पूरे 20,000 रुपये ही देने होते हैं कोई एक्स्ट्रा फीस देना नहीं पड़ता है।

दूसरी होती है इंटरेस्ट EMI, मतलब ये है कि इसमें आपसे प्रोसेसिंग फीस ली जाती है और कुछ इंटरेस्ट आपको देना पड़ता है जो कि ज्यादा से ज्यादा 15% तक होता है। उदाहरण के लिए आप किसी 20,000 रुपये की मोबाइल फोन को इंटरेस्ट EMI पर खरीदते हैं तो आपको सिर्फ 20,000 रुपये ही नहीं देने हैं बल्कि

आपको 26-27,000 रुपये तक उस मोबाइल फ़ोन के देने पड़ेंगे।

EMI ज्यादातर क्रेडिट कार्ड पर दिए जाते हैं जब भी आप कोई प्रोडक्ट खरीदते हैं तो पेमेंट ऑप्शन में आपको EMI का ऑप्शन भी मिलता है। EMI का ऑप्शन सेलेक्ट करने पर आपको वहां अपने क्रेडिट कार्ड की डिटेल देनी होती है।

जैसे ही आप क्रेडिट कार्ड की डिटेल देते हैं तो उस प्रोडक्ट का जितना भी Price है वो आपके क्रेडिट कार्ड से ले लिया जाता है। इसके बाद जब भी आपका क्रेडिट कार्ड का बिल आता है तो उसमें आपकी वो EMI जुड़ के आती है।

उदाहरण के लिए आपने कोई 20,000 रुपये का प्रोडक्ट 4 महीने की EMI पर खरीदा तो आपके क्रेडिट कार्ड से पूरे 20,000 रुपये काट लिए जायेंगे और वो 20,000 रुपये EMI में Convert हो जायेंगे। अब जब आपके क्रेडिट कार्ड का अगला बिल आयेगा तो उसमें 5000 रुपये जुड़ के आएंगे।

इसी तरह से अगले 4 महीने तक जो भी क्रेडिट कार्ड का बिल आयेगा उसमें 5000 रुपये EMI के Add होकर आते रहेंगे। ज्यादातर 9 महीने तक की EMI नो-कॉस्ट EMI होती है इससे ज्यादा 12, 18 और 24 महीने की EMI इंटेरेस्ट EMI होती है।

What is Exchange Offer in Hindi | एक्सचेंज ऑफर क्या होता है?

एक्सचेंज ऑफर का मतलब होता है कि आपके पास जो भी पुराना प्रोडक्ट है, आप उसको एक नए प्रोडक्ट से एक्सचेंज कर सकते हैं। एक्सचेंज ऑफर ज्यादातर मोबाइल फ़ोन, लैपटॉप, फ्रिज, LED TV और A/C पर दिया जाता है।

उदाहरण के लिए आपके पास कोई पुराना मोबाइल फोन है और आप एक नया मोबाइल फोन खरीदना चाह रहे हैं, ऐसे में आप अपने पुराने मोबाइल फोन को एक्सचेंज कर सकते हैं। इसके लिए आप Flipkart, Amazon या किसी भी शॉपिंग वेबसाइट पर जायेंगे वहां पर आप कोई भी एक प्रोडक्ट सेलेक्ट करेंगे जो आप खरीदना चाहते हैं।

आपको वहां एक ऑप्शन मिलेगा With Exchange और Without Exchange का, आप वहां पर With Exchange सेलेक्ट करेंगे और अपने पुराने वाले मोबाइल फोन का मॉडल और ब्रांड सेलेक्ट करेंगे। आपके सामने एक राशि/Amount आ जायेगा कि इतने पैसे आपके पुराने मोबाइल फोन के लगाये गए हैं, जब आप पेमेंट करेंगे तो उतने ही पैसे का आपको डिस्काउंट दे दिया जायेगा।

इसके बाद जब आपके पास नए मोबाइल फोन की डिलीवरी होगी, जो व्यक्ति उस नए मोबाइल फोन की डिलीवरी करने आयेगा वो ही आपके पुराने मोबाइल फोन को चेक करेगा और ले जायेगा। सामान्यतः आपके मोबाइल फ़ोन में एक्सचेंज ऑफर के लिए दो चीजें चेक की जाती हैं, एक तो उसकी बॉडी सही होनी चाहिए कोई स्क्रैच वगैरह नहीं होने चाहिए।

दूसरी उसकी स्क्रीन सही होनी चाहिए, एक्सचेंज ऑफर में आपसे मोबाइल के चार्जर, हेडफोन, बिल, बॉक्स नहीं माँगा जाता है सिर्फ और सिर्फ आपका पुराना मोबाइल फ़ोन लिया जाता है।

उम्मीद है आप समझ ही गए होंगे कि EMI और एक्सचेंज ऑफर क्या होता है, अब जानते हैं कि इनमें से फायदा किस में है।

- इंटरेस्ट EMI में आपको कोई फायदा नहीं है क्योंकि इसमें आपको 20 हजार रुपये के मोबाइल फोन के लिए 26-27 हजार रुपये देने पड़ते हैं, जबतक आपकी कोई मजबूरी ना हो आपको इंटरेस्ट EMI पर कोई भी सामान खरीदना नहीं चाहिए।
- नो-कॉस्ट EMI में आपको फायदा है और वो इस तरह से है कि अगर आप 20 हजार रुपये का कोई प्रोडक्ट खरीद रहे हैं तो वही प्रोडक्ट आपको EMI पर भी 20 हजार रुपये का ही पड़ेगा और जिसे आप अगले 6, 9 या 12 महीनों में धीरे-धीरे चुका सकते हैं।
- एक्सचेंज ऑफर में आपको फायदा नहीं होता है क्योंकि एक्सचेंज ऑफर में ये आपके पुराने मोबाइल फोन का जो Price/दाम लगाते हैं वो बहुत ही कम होता है।

बैंकों और शॉपिंग वेबसाइटों का नो-कॉस्ट EMI में क्या फायदा होता है?

हमने कोई 20 हजार रुपये का प्रोडक्ट खरीदा और अगले 9 महीनों तक हम उसी 20 हजार रुपये को थोड़ा-थोड़ा करके हर महीने दे रहे हैं, तो इसमें बैंकों का और शॉपिंग वेबसाइटों का क्या फायदा है क्योंकि उन्हें तो कोई Extra पैसा नहीं मिल रहा है।

देखिये ऐसा नहीं है कि इसमें बैंकों और शॉपिंग वेबसाइटों का कोई फायदा नहीं है, बैंकों का फायदा ये है कि नो-कॉस्ट EMI पर आप उनका क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करेंगे और शॉपिंग वेबसाइटों का फायदा ये होता है कि नो-कॉस्ट EMI ज्यादातर उन Products पर दिए जाते हैं जिनकी Sale कम होती है ऐसे में नो-कॉस्ट EMI का ऑप्शन देने से उन प्रोडक्ट्स की Sale बढ़ जाती है।

क्या डेबिट कार्ड पर EMI का लाभ लिया जा सकता है?

इसका जवाब है हाँ, लिया जा सकता है ऐसा कहना गलत नहीं होगा, लेकिन सभी बैंकों की कार्ड पर अभी EMI का ऑप्शन नहीं आया है। सिर्फ और सिर्फ HDFC बैंक के डेबिट कार्ड पर आप EMI ले सकते हैं लेकिन उसका कोई फायदा नहीं है क्योंकि क्रेडिट कार्ड पर आपको नो-कॉस्ट EMI का ऑप्शन मिलता है जबकि डेबिट कार्ड पर आपको नो-कॉस्ट EMI का ऑप्शन नहीं मिलता है।

अगर आप डेबिट कार्ड से EMI पर शॉपिंग करते हैं तो उसमें आपको 14% इंटरेस्ट देना होता है। आशा करता हूँ आप समझ गए होंगे कि 0% EMI क्या है, कैसे काम करता है और एक्सचेंज ऑफर क्या होता है, कैसे काम करता है। आज के पोस्ट ***What is Exchange Offer in Hindi*** में अगर आपने कुछ भी नया सीखा तो इसे अपने दोस्तों के साथ Share जरूर करें।
